वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

विद्या परिषद की 65 वीं बैठक (आपात)

17 अक्टूबर, 2022

कार्यवाही विवरण

विद्या परिषद की 65 वीं बैठक (आपात) दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 अपरान्ह 04:00 बजे विश्वविद्यालय के मुख्यालय स्थित गांधी भवन में माननीय कुलपति महोदय, डॉ. कैलाश सोडाणी की अध्यक्षता में (ऑफलाईन/ऑनलाईन) आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:–

1. डॉ0 कैलाश सोडाणी — अध्यक्ष
   कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा
2. प्रो. मनरूप सिंह मीणा
   सम कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. प्रो0 अशोक शर्मा, — सदस्य
   आचार्य, राजनीति विज्ञान, वमखुवि
4. प्रो0 बी0 अरूण कुमार — सदस्य
   निदेशक (अकादमिक) एवं आचार्य, राजनीति विज्ञान, वमखुवि
5. डा0 सुबोध कुमार, — सदस्य
   सह आचार्य, पत्रकारिता वमखुविवि,कोटा
6. डा0 अनिल कुमार जैन — सदस्य
   सह आचार्य, शिक्षा, वमखुवि

7. डॉ0 दिलीप कुमार शर्मा — सदस्य
   निदेशक, क्षे0के0 वमखुविवि,कोटा

8. डॉ0 रश्मि बोहरा, — सदस्य (ऑनलाईन उपस्थित)
   निदेशक, क्षे0के0 वमखुविवि, उदयपुर

9. डॉ0 श्रीमती क्षमता चौधरी, — सदस्य
   सहा0 आचार्य, अंग्रेजी, वमखुविवि,कोटा

10. डॉ0 अनुरोध गोधा,, — सदस्य (ऑनलाईन उपस्थित)
    सहा0 आचार्य, वाणिज्य, वमखुविवि,कोटा

11. डॉ0 (श्रीमती) अनुराधा दुबे — सदस्य
    सहा0 आचार्य, बॉटनी, वमखुविवि,कोटा

12. डॉ0 कीर्ति सिंह, — सदस्य
    सहा. आचार्य, शिक्षा, वमखुवि, कोटा

13. डॉ0 आलोक चौहान, — सदस्य
    सहा0 आचार्य, भूगोल, वमखुविवि,कोटा

14. डॉ0 अकबर अली, — सदस्य
    सहा0 आचार्य, लोक प्रशासन, वमखुविवि

15. डॉ0 संदीप हुड्डा, — सदस्य
    सहा0 आचार्य, वनस्पति शास्त्र वमखुविवि,कोटा

16. डॉ0 सुरेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ, — सदस्य
    सहा0 आचार्य, अर्थशास्त्र वमखुविवि,कोटा

17. डॉ0 रवि गुप्ता, — सदस्य
    सहा0 आचार्य, गणित वमखुविवि,कोटा

18. श्री सुशील राजपुरोहित, सदस्य
सहा0 आचार्य, भौतिक विज्ञान वमखुविवि,कोटा

19. डॉ0 कपिल गौतम, सदस्य
सहा0 आचार्य, संस्कृत वमखुविवि,कोटा

20. श्री नीरज अरोड़ा, सदस्य
सहा0 आचाय, कम्प्यूटर साइंस वमखुविवि,कोटा

21. परीक्षा नियंत्रक विशेष आमंत्रित

22. श्री महेश चंद मीना सदस्य सचिव
कुलसचिव

सर्वप्रथम माननीय कुलपति महोदय द्वारा परिषद के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक प्रारंभ करने के लिए परिषद के सदस्य सचिव को निर्देशित किया।

परिषद के सभी सदस्यों ने नवनियुक्त कुलपति डॉ. कैलाश सोडाणी का अभिनंदन किया साथ ही निवर्तमान कुलपति प्रो. रतनलाल गोदारा को उनके द्वारा विश्वविद्यालय को दी गई सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

आंतरिक गृहकार्य के अंको की समस्या के संबंध में विचार विमर्श प्रारंभ किया। सदस्यों का यह विचार था कि आंतरिक गृहकार्य के मूल्यांकन का कार्य समय पर नहीं होने से विद्यार्थियों में आक्रोश है एवं इससे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को ठेस लग रही है।

इस समस्या के समाधान हेतु प्रो. बी. अरूण कुमार, परीक्षा नियंत्रक ने निम्न प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया : –

वर्तमान में आन्तरिक गृहकार्य के अंको की समस्या के निराकरण हेतु विद्या परिषद के विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्ताव

विश्वविद्यालय के ऐसे विद्यार्थी जिनके कार्यक्रम की अधिकतम अवधि शेष है और जो जून 2020 सत्रांत परीक्षा / दिसंबर 2020 सत्रांत परीक्षा / जून 2021 सत्रांत परीक्षा/ दिसंबर 2021 सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र (पत्रों) में पंजीकृत एवं उत्तीर्ण, परन्तु आंतरिक गृहकार्य के अंकों के अभाव में समेकित परिणाम में अनुत्तीर्ण घोषित किये गए हैं, उन विद्यार्थियों को उनके द्वारा सैद्धांतिक प्रश्न पत्र (पत्रों) की परीक्षा में प्राप्त अंकों के 1.25 गुणा अनुपातिक अंक संबंधित प्रश्न पत्र के आन्तरिक गृह कार्य में दिया जाना प्रस्तावित है। उक्त व्यवस्था जून 2022 सत्रांत परीक्षा में भी लागू करना प्रस्तावित है।

यदि कोई विद्यार्थी उक्त व्यवस्था से असंतुष्ट है तो उसे अपने क्षेत्रीय केन्द्र पर पुनः भौतिक रूप से आन्तरिक गृह कार्य जमा करने का अवसर दिया जाए जिसके लिए न्यूनतम शुल्क रू. 200/– प्रति प्रश्न पत्र निर्धारित किया जाए। ऐसे जमा आन्तरिक गृह कार्य के मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थी को अंक प्रदान किये जाये।

उक्त व्यवस्था जून 2022 सत्रांत परीक्षा तक ही लागू करना प्रस्तावित है।

परिषद के सदस्यों ने आंतरिक मूल्यांकन की समस्या निराकरण हेतु उक्त प्रस्ताव के संबंध में अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। समस्त विचारों एवं सुझावों पर चर्चा उपरांत आंतरिक मूल्यांकन के अंकों की समस्या के निराकरण के संबंध में विद्या परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया :–

विश्वविद्यालय के ऐसे विद्यार्थी जिनके कार्यक्रम की अधिकतम अवधि शेष है और जो जून 2020 सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2020 सत्रांत परीक्षा / जून 2021 सत्रांत परीक्षा/ दिसंबर 2021 सत्रांत परीक्षा के प्रश्न पत्र (पत्रों) में पंजीकृत एवं उत्तीर्ण, परन्तु आंतरिक गृहकार्य के अंकों के अभाव में समेकित परिणाम में अनुत्तीर्ण घोषित किये गए हैं, उन विद्यार्थियों को उनके द्वारा सैद्धांतिक प्रश्न पत्र (पत्रों) की परीक्षा में प्राप्त अंकों के 1.5 गुणा अनुपातिक अंक संबंधित प्रश्न पत्र के आन्तरिक गृह कार्य में दिए जाने का निर्णय किया गया। सदन की राय थी कि उक्त प्रक्रिया से प्रदत्त अंक आंतरिक गृहकार्य के लिए निर्धारित पूर्णांक से अधिक नहीं हो। यह व्यवस्था जून 2022 सत्रांत परीक्षा तक लागू रहेगी।

यदि कोई विद्यार्थी उक्त व्यवस्था से असंतुष्ट है तो उसे अपने क्षेत्रीय केन्द्र पर पुनः भौतिक रूप से आन्तरिक गृह कार्य जमा करने का अवसर दिए जाने एवं इसके लिए न्यूनतम शुल्क रू. 200/– प्रति प्रश्न पत्र निर्धारित किये जाने का निर्णय किया गया। ऐसे जमा आन्तरिक गृह कार्य के मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थिओं को अंक प्रदान करने का निर्णय किया गया।

अब तक ऑनलाईन एसाइनमेंट जांच कार्य हेतु संबंधित शिक्षकों को भुगतान किये जाने तथा ऑनलाईन मूल्यांकन हेतु अनुबंधित फर्म को मूल्यांकन संबंधी प्रक्रिया रोकने हेतु निर्देशित किये जाने का निर्णय लिया गया। माननीय कुलपति महोदय द्वारा सदन को अवगत कराया कि जून, 2022 सत्रांत परीक्षा के बाद ऑफलाईन मूल्यांकन किया जावेगा। भविष्य में आंतरिक गृहकार्य के संबंध में प्रक्रिया निर्धारण बाबत एक समिति का गठन किया जायेगा। समिति द्वारा प्रस्तुत अनुशंसा को आगामी बैठक में प्रस्तुत कर उचित निर्णय लिया जायेगा। उक्त संबंध में सदन द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

उपरोक्त निर्णय के पश्चात आसन को धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

(महेश चंद्र मीना)
कुलसचिव एवं
सदस्य सचिव, विद्या परिषद